PTJ1-3

यीशु के पुनरुत्थान के सबूत - प्रोग्राम 1

डॉ। जॉन एकरबर्ग : सवाल, क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा?

ये सत्य है या मनघडत है?

क्या इसके मायने हैं?

इसके सबूत क्या हैं?

आप क्या जवाब देगे यदि आपके अविश्वासी दोस्त आप से पुछते हैं?

क्या यीशु का पुनरुत्थान मनघड़त नही है?

हम कैसे जानेगे कि वो सच में मर गया था? जब उसे क्रूस से उतारा गया/ और उसके मरने और गाढे जाने के बाद/ जब यीशु 500 से ज्यादा लोगों को दिखाई दिया/ ये क्या उनके मन के सायक्लॉजीकल प्रभाव थे, या असली यीशु का वास्तविक शारीरिक प्रकटीकरण था?

आज के मेरे मेहमान इसका जवाब देगे, जो पहले नास्तिक थे और अब विश्वासी हैं, मिस्फ्र ली स्ट्रोबल/ ये फॉरमर लीगल एडीफ्र हैं शिकागो प्रिब्युन के/ और न्युयॉक फाईम्स के बेस्फ सेलिंग ऑथर, जिनकी लगभग 20 किताबें विख्यात हैं/ हम आपको न्योता देते हैं कि अदभुत सबूत देखे यीशु के पुनरुत्थान के/ इस स्पेशल एडीशन जॉन एन्करबर्ग शो में

।।।

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हमारे प्रोग्राम में आपका स्वागत है, मेरे मेहमान हैं मिस्टर ली स्ट्रोबल, ये अवार्ड विनिंग लेखक हैं, बहुत सी किताबों के, जो न्युज़ स्टोर में पूरे देश में पाए जाते हैं, द केस फॉर क्राईस्ट, द केस फॉर फेथ, द केस फॉर द क्रिएटर, और इनकी नई किताब आ रही है, रीअल जीज़स, ली, पहले एडीटर थे, लिगल एडीटर थे, शिकागो ट्रिब्युन में, 13 साल तक रहे, बहुत से अवॉर्डस जीते, और हालांकि उस समय ये कट्टर नास्तिक थे, परमेश्वर पर विश्वास नही करते थे, ये सब मन घड़त परी कथा है, इसकी जरुरत नही, लेकिन परिस्थितीयों ने इन्हें इन सबूतों की जांच करने लगाई, इन्हें जांचने के लिए दो साल लग गएं, यीशु मसीह के दावों का, कि उसके साथ क्या करें/ इन सबूतों ने इन्हें यीशु मसीह पर विश्वास में लाया/ और हम चर्चा कर रहे हैं कि क्या वो सबूत, मैं चाहता हूं इसे गौर से सुनिए,

खैर, हालही में, जैसे आप जानते हैं, नए अजीब से हमले हुए पुनरुत्थान पर, और इसलिए ली ने एक और किताब लिखी, जहाँ इन्हें फिर से सोचना पड़ा, जो पहले ये सोचते थे, सन 1981 में, और इन्होंने जो खोजा वो इन अजीब हमलों में भी सही हैं,

तो चलिए मैं आपको कुछ अजीब हमले बताऊँ, और चलिए संक्षिप्त में देखे, फिर बाद में गहराई से देखेगे, शायद बहुत से लोग बार्थ एअरमन नाम से परिचित हैं, यहाँ युनिवर्सीटी ऑफ नॉर्थ केरलायना

में, उन्होंने लिखी मिस्कोटींग जीज़स और दूसरी भी किताबें, बहुत से न्युज शो में गएं, पुनरुत्थान के बारे में वो क्या कहते हैं.

ली स्ट्रोबल: जी वो कहते हैं कि इतिहासकार सच में जांच नही कर सकते, चमत्कारी घटना की, जैसे की पुनरुत्थान है/ तो वो कहते हैं, मैंने जो भी पुनरुत्थान के बारे में सुना उस पर विश्वास करना नही चाहता हूँ.

डॉ। जॉन एकरबर्ग: जी, फिर यीशु की पारिवारिक कब्र की बात है/ इसे आकर ज्यादा समय नही हुआ है, ये किस बारे में हैं

ली स्ट्रोबल: जी, उन्होंने खोज में पाया, अशरी, याने हड्डीयों का बक्सा/ वो कहते हैं कि यीशु की हड्डीयाँ हैं, यदि वो हड्डीयाँ उसकी है तो, जी/ सच कहा

डॉ। जॉन एकरबर्ग: देह अब भी कब्र में है/ देखिए एक बार मैंने देखा, अयमान ज़वाहरी ने, अकायडा के दूसरे व्यक्ति ने ये वाक्य कहा जब वो जॉर्ज बुश से कह रहे थे, जो धार्मिक थे, वो क्या कह रहे थे?

ली स्ट्रोबल: वो कह रहे थे, सारी दुनिया को ये आस्था स्वीकार करना चाहिए, क्योंकि आस्था सही तरह से सिखाती है कि यीशु कभी क्रूस पर नही मरा, इसलिए वो नही जी उठा, और वो आलौकिक नही है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग: एक अविश्वासी अगुवे ने इस तरह कहा/

ली स्ट्रोबल: जी, उन्होंने कहा कि क्रूस पर यीशु केवल जख्मी हुआ/ और वो जीवित रहा, और वापस भारत में गया/

डॉ। जॉन एकरबर्ग: मैं सोचता हूँ कि आपको जीज़स पेपर लेना चाहिए, माईकल बेजेन्ट की, एन बी सी, और ए बी सी, इस के बारे में मुझे बताईए/

ली स्ट्रोबल: जी उनका कहना है कि पीलातूस ने यीशु को नही मारा, क्योंकि यीशु लोगों को कर चुकाने के लिए कह रहा था, वो अच्छी बात थी, तो उन्होंने दिखावा किया कि वो क्रूस पर मर गया, लेकिन सच में नही मरा

डॉ। जॉन एकरबर्ग: जी, ये सारे लोग सामने से वार करते हैं, लेकिन मैं इसे सच में दिलचस्प देखता हूं, कि आपको मौका मिला की ह्यु हेफर से बातें करें, प्ले बॉय मेनशन में, आप ने उन से बातें की और उन्होंने पुनरुत्थान के बारे में दिलचस्प बातें कही/ मैं चाहता हुँ कि आप थोड़ा धिरे से ये बताईए/

ली स्ट्रोबल: जी, सच में मुझे मौका मिला कि मैं प्ले बॉय मेनशन में जाकर इन्टरव्यु लूं, ह्यु हेफर का, मैं एक टेलिविजन प्रोग्राम कर रहा था, मैंने ह्यु से पुनरुत्थान के बारे में पुछा/ तो वो गड़बड़ी में दिखें तो मैंने कहा पुनरुत्थान के सबूत के बारे में क्या/ आप किस बारे में कह रहे हैं, मैंने कहा इतिहास की बातें सपोर्ट करती है कि यीशु मुर्दों में से जी उठा/ उन्होंने कहा, मैंने इसे पहले नही सुना था/ मैंने अपनी किताब की कॉपी दी, द केस फॉर क्राईस्ट/ और वो उसे देख रहे थे, कहा ये तो अदभुत है किसी ने मुझे ये पहले नही बताया था/ और उन्होंने बहुत ही दिलचस्प बात कही, कि यदि ये सच है, तो इसका याने इन सभी बातों का अदभुत प्रभाव होगा/ मैं सोचता हूँ कि काश कोई अनंतजीवन होता/

और मैंने कहा जानते हो, खुद इन सबूतों को देखो, अपना निर्णय लो, मैं आप से कहता हुँ, इसमें सहमत करनेवाले, सामर्थी, पूरी तरह प्रमाणीत सच्चे सबूत हैं, कि यीशु मुर्दों में से जी उठा/ और जो उसके पिछे चलते हैं, वो उसके साथ अनंतकाल बिताएंए/ हम इसके परिणाम पर विश्वास कर सकते हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ये तो वही पुरानी कहानी है कि आप एक नास्तिक होने के नाते इसे जाना/ लेकिन सच्चाई है, याने मुख्य बात ये है कि क्या यीशु मुर्दों में से जी उठा

ली स्ट्रोबल: सबकुछ इसी पर आधारित है, क्योंकि कोई भी परमेश्वर का पुत्र होने का दावा कर सकता है/ क्या इसे साबित कर सकते हैं, इसके साथ खड़े रह सकते हैं, यही बात है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठिक है, इसके पहले कि हम पुनरुत्थान पर हमलों को देखे, लोगों को जानना होगा कि वो किसे केस पर हमला कर रहे हैं, और आपने अपनी किताब में लिखा, कुछ अदभुत बात आपने लिखी है/ जिसका नाम है 5 मिनिमल फैक्टस/ ज़रा बताईए कि ये 5 मिनिमल फैक्टस क्या हैं/ और ये क्यों महत्वपुर्ण हैं/

ली स्ट्रोबल: जी, ये 5 मिनिमल फैक्ट्स, बहुत जरुरी हैं क्योंकि ये इस केस में ऐसी बात बताते हैं जो हर इतिहासकार कहता है कि ये बात सच है/ अब इसका उपयोग वो पसंद न करे, लेकिन, गैरी हेबरमास ने यही किया, उन्होंने पुनरुत्थान के बारे में हर चिज़ का अध्यन किया/ उन सारे लिटरेचर द्वारा जो नास्तिक और विश्वासीयों ने लिखा था/ इन्होंने 30 साल तक लिटरेचर का अध्यन किया, फ्रेन्च, इंग्लिश और जर्मन में, और उन्होंने उनकी स्थिती का मुल्यांकन किया/ याने ये केस, मिनिमल फैक्टस केस दो बातों पर आधारित हैं/ फैक्टस याने नंबर एक, ये मज़बुत सबूत हो, याने मज़बुत ऐतिहासिक सपोर्ट हो, और नंबर दो, ऐसे फैकट्स जिसे सारे विद्वानों ने याने दोष निकालनेवाले भी स्वीकार करे कि ये सत्य है/ ये इतनी सामर्थी केस है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : ठीक है, अब हम यही करेगे 5 फैक्टस बताएगे/ और इन सत्य के सबूत बताएंगे जिसके कारण विद्वानों ने इस बात को माना/ और फिर हम अंत को देखेगे और टॉप स्पॉट देखेगे, कि सबसे उत्तम ऐतिहासिक विवरण क्या होगा/ जो इन फैक्टस के साथ मिलता है, लेकिन चलिए इसे देखते हैं, सामान्य रुप में ये पुनरुत्थान के बारे में हैं/ लेकिन क्या है फैकट नंबर एक

ली स्ट्रोबल: नंबर फैक्ट है कि क्रुसिकरण द्वारा यीशु की मृत्यु, जॉन ये तो पुरी तरह से बुनियादी विश्वास है इतिहासकारों में भी/ दोष निकालनेवाले और नास्तिक द्वारा/ ग्रेड लूदमन, विख्यात नास्तिक, वैन्डर बीट युनिवर्सीटी से/ कहते हैं कि ये पूरी तरह से सच है, और हम जानते हैं कि ये सच हैं, जॉन डॉमनिक क्रॉसन, एक्सट्रीम लिबरल, कहते हैं कि ये सच है, और जेमस टेबल जो एक प्रोफेसर हैं, एक नास्तिक हैं/ मानते हैं कि ये सच में हुआ है कि यीशु मारा गया, क्रुसीकरण से/ हमारे पास 5 स्रोत हैं, बाइबल के बाहर से/ और साथ ही 4 सुसमाचार हैं, जो ये साबित करते हैं कि यीशु मर चुका था, जब उसे क्रुस से नीचे उतारा गया था/ याने जानते हैं, इतिहास के रुप में कहे तो इस पर चर्चा की बात नही/ ये अजीब होगा, लोग कहते हैं कि यीशु कभी था ही नही/ वो अजीब हैं जो ये हास्यासपद बातें कहते हैं/ यदि हम एक अच्छे विद्वान हैं/ तो आप ये सच्चाई स्वीकार करेगे, कि यीशु मर चुका था, जब उसे क्रुस से उतारा गया था तब वो जिन्दा नही था

डॉ। जॉन एकरबर्ग : देखिए बहुत सी विख्यात किताबें हैं, मुझे याद है जब मैं कॉलेज में था, मैंने ह्युज स्कॉफन फिल्ड की किताब देखी द पास ओवर प्लॉट/ और दुसरे लोगों ने कहा कि यीशु कब्र से बच निकला, और हम इन बातों को देखेगे, लेकिन वो किसी तरह से बच निकला, और चला गया मिस्र में या स्पेन में, मतलब यीशु चला गया, शायद भारत में/

ली स्ट्रोबल: मैं फिर यही कहूंगा कि वो किस दशा में था, याने क्रुस की पीडा सहने के बाद, और किस तरह से उसके अनुयायी इतने उत्साहित होकर ये कहते हैं कि एक दिन हमारे पास भी ऐसा ही पुनरुत्थान की देह होगी/ और पूरे संसार में इसका चलन किया, जो महिमामय आशा पर है/ और यदि यीशु इस भयानक परिस्थिती में होता/ वो तो हायपोवेलोमिक शॉक में होता, मैंने इन्टरव्यु लिए मेडीकल एक्सपर्टस ने कहा/ क्रुसीकरण के पहले उसे इतना मारा गया/ उसके लंग्स और हार्ट में भाला मारा गया/ और किसी तरह से वो क्रुस से निचे नही आ सकता था, अमेरिकन मेडीकल असोसिएशन ने, ऐतिहासिक रेकॉड्स का अध्यन कर कहा/ कोई भी जो ये कहता है कि यीशु क्रुस पर नही मरा ये गलत है, ये आधुनिक मेडिकल समझ है, ऐतिहासिक सबुतों की/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : क्या रोमी सिपाही नही जानते थे कि यीशु मर गया है?

ली स्ट्रोबल: ये उनका काम था, और जीविका के लिए वो यही करते थे, मतलब कोई सवाल नही, वो पूरी तरह जानते थे, यीशु के मरने के बाद बहुत से एक्सपर्ट ने उसे मृत घोषीत किया/ वो जानते थे कि अब ये जीवित नही रहा

डॉ। जॉन एकरबर्ग : क्रुसीकरण में श्वास रुकने से मृत्यु क्यों होती है?

ली स्ट्रोबल: इतना ज्यादा दबाव पड़ता है, सिने की मसल्स पर/ और लंग्स से सारी हवा निकल जाती है/ तो श्वास नही ले सकते हैं, श्वास लेने का एक ही तरीका है कि धक्का देकर उपर उठे, और उस दबाव को छोड़े और श्वास छोडकर नई श्वास ले/ और फिर निचे आएं, यदि कुछ समय के लिए नीचे ही रहे, तो हार्ट बंद हो जाएगा, क्योंकि उस पर दबाव है/ श्वास रुकने के कारण मृत्यु हो जाएगी/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी यदि रोमी सिपाही देखता है कि क्रुस पर कोई 30 मिनट तक नही हिलता तो वो उसे मरा हुआ जानते थे/

यीशु मरा, यीशु मरा,

डॉ। जॉन एकरबर्ग : याने ये सच्चाई है कि यीशु मरा, हम इसे बाद में देखेगे, कि ये क्यों जरुरी है, लेकिन दूसरी बात क्या है/

ली स्ट्रोबल: अब दूसरी बात तो चेलों का विश्वास कि उन्होंने जी उठे यीशु को देखा, अब ये तीन सबूतों पर आधारित है, नंबर एक, इसमें पौलुस है, प्रेरित पौलुस/ प्रेरित पौलुस हम ऐतिहासिक रेकॉर्ड से जानते हैं कि वो याकूब, पतरस और यूहन्ना का मित्र था/ जो यीशु के मुख्य चेले थे/ और पौलुस खुद लिखा है, कि वो फिर जी उठे यीशु से मिला, और वो कहता है कि उसने उसे जीवित देखा/ वो कहता है पहला कुरिन्थियों 15 वचन 11 में, कि वो और उसके साथ दूसरे चेले, भी यही कह रहे हैं/ वो एक ही बात थी, और हम सब एक ही बात कह रहे हैं/ याने ये सब लोग घोषित कर रहे थे कि यीशु मुर्दों में से जी उठा/ दूसरी बात, हमारे पास ओरल ट्रेडीशन है/ ये तो विश्वासीयों का क्रिड़ और हिम्स में भरोसा है, ये बताते हैं कि पुनरुत्थान किसी तरह से कोई लिजेन्डरी बात नही है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : याने ये सब प्रेरितों की किताब और पत्रों में पाएं जाते हैं/

ली स्ट्रोबल: बिलकुल, प्रेरित पौलुस और सब सहमत होते हैं, पहला कुरिन्थियों जो नए नियम की किताब है, बाइबल की ये किताब इसवी सन 55 में लिखी गई है, यीशु की मृत्यु इसवी सन 30 में हुई थी, और यदि हम इससे भी पहले जाते हैं, तो वो यही कहता है, मैं आपके लिए इसे पढता हूँ, इसी

कारण मैंने सबसे पहले तुम्हें वही बात पहुंचा दी, और खैर बता दूँ कि ये मैंने नही बनाई, मैंने इसे पाया, इतिहासकार विश्वास करते हैं कि पतरस और याकूब से/ पुनरुत्थान के बाद ही, कि पवित्रशास्त्र के वचन के अनुसार मसीह हमारे पापों के लिए मरा, और गाड़ा गया, और पवित्रशास्त्र के अनुसार तीसरे दिन जी भी उठा/ और कैफा को तब बाहरों को दिखाई दिया, फिर वह पाँच सौ से अधिक भाईयों को एक साथ दिखाई दिया/ जिन में से बहुत से अब तक जीवित हैं, दूसरे शब्दों में यदि मुझ पर विश्वास नही तो जाकर उन से पुछ लो/ और कुछ सो गया याने मर गएं, फिर वो याकूब को दिखाई दिया, तब सब प्रेरितों को दिखाई दिया, और सब के बाद मुझ को दिखाई दिया/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, जोकीम जरमायाह एक यहूदी विद्वान कहते हैं, ये पारंपारिक बात है, पौलुस ने जिन शब्दों का उपयोग किया जरुरी नही कि उसके शब्द थे, उसने दूसरे के शब्दों का उपयोग किया/

ली स्ट्रोबल: ये बहुत शुरु का है जो बताता है कि ये लेजेन्ड्री नही है/ और मैं सोचता हूँ कि ये सामर्थी गवाही है/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : हम गलातियो 1 और 2 से ये जानते हैं, जहां पौलुस अपने कुछ अनुभवों के बारे में लिखता है/ उद्धार पाने के बाद उसने सेवा की, वो यरुशलेम में वापस गया/ सामान्य रुप में उद्धार पाने के 3 साल बाद/ यीशु की मृत्यु और जी उठने के दो साल बाद उसने उद्धार पाया/ याने सन 32 में उसने उद्धार पाया/ और तीन साल बाद याने सन 35 में, अब वो यरुशलेम में पतरस, याकूब और यूहन्ना के साथ था/ मतलब, वो यही कहता है, और शब्द का उपयोग करता है हिस्टेरियो/

ली स्ट्रोबल: मतलब उसने इसे जांचा/ वो ये बताना चाहता था कि हम एक ही बात में हैं, वो उन से सवाल पुछ रहा था कि वो जो कह रहे थे उसे वो पूरी तरह जानता है/ और कुछ विद्वान ये कहते हैं कि उसके बदलाव के तुरन्त बाद वो ये कथन कह रहा था/ जब वो यीशु के कुछ अनुयायी से मिला/ याने दोनों तरह से ये शुरु की बातें हैं, और इस बारे में सोचिए, अब ये क्रीड के रुप में था, और विश्वास किया जाता है कि ये क्रिड़ उससे भी पहले की थी, वो तो क्रुस तक वापस जा रहे थे, ये असाधारण इतिहास था, प्राचिन इतिहास में ये न्युज़ फ्लैश जैसे था/ ये बहुत कम होना था, ये वो रतन था, इतिहासकारों के बीच में/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : जी, पारांपारिक रुप में उन्हें ये मिला/ यदि इसे पतरस, याकूब और यूहन्ना से पाया/ पतरस वो था जिसने यीशु को देखा था, याकूब अपने जीवन भर दोष निकालनेवाला था, वो पौलुस को अपना अनुभव बता रहा था, मैंने मेरे भाई को देखा/

ली स्ट्रोबल: ये बहुत जरुरी है, दूसरे शब्दों में पौलुस खुद एक गवाह था/ जी उठे यीशु का/ वो ये बात किसी अजनबी से लेकर नही बता रहा था, वो खुद इस घटना के आंखों देखा गवाह से ले रहा था/ और इसलिए पिनचास, लेपेड, नए नियम के यहूदी विद्वान कहते हैं, इसमें ऐतिहासिक सबूत है, इसे आँखों देखे गवाहों के कथन से लिया गया है/ याने यहाँ पर पौलुस है, और ओरल ट्रेडीशन हैं, और फिर रिटन ट्रेडिशन भी है/ साथ ही मत्ती, मरकूस, लूका और यूहन्ना बताते हैं, और प्राचिन चर्च के पूर्वज भी हैं/

डॉ। जॉन एकरबर्ग : आगे बढने से पहले, कुछ लोग कहते हैं रुकिए एक मिनट, स्ट्रोबल, आपने अभी कहा, जानते हैं, मत्ती, मरकूस, लूका और यूहन्ना, मतलब आप विश्वास करते हैं कि ये प्रभु की प्रेरणा से लिखा वचन है/

ली स्ट्रोबल: इस बात को बाजू रखिए, चलिए नही देखते हैं, मैं नए नियम को स्वीकार करता है, जिसका इनकार नही कर सकते/ ये प्राचिन इतिहास के रेकॉर्डस को देखे, और हम इतिहास को जांचकर उसे लेकर किसी भी डॉक्युमेन्ट जैसे उपयोग कर सकते हैं/ किसी के साथ पक्षपात न करें, ये सोचकर विश्वास न करे कि ये परमेश्वर का वचन है/ ये सच है, चलिए इसे बाजू में रख दे/ ये जो है उसके लिए इसकी जांच करे, और जब इसकी जांच करेगे, तो इसकी सटीकता को भी देख सकेगे/ आँखो देखे गवाह की सटीकता देखेगे, रीचर्ड बॉकहुम ने अपनी मॉनिमेन्टल बुक में कहा है, जीज़स एन्ड द आय विटनेसेस में, बुद्धिमत्ता की किताब, ये आँखों देखे गवाह के बारे में कहते हैं, ये तो स्वयं सुसमाचार का स्वभाव है/ और साथ ही प्राचिन चर्च के पुर्वज ही हैं, साथ ही पॉलीक्रैब हैं, जो यूहन्ना के चेले थे, वो यूहन्ना को जानते थे, वो यूहन्ना के चेले थे, पॉलीक्रैब क्या कहते हैं, वो कहते हैं कि यीशु मुर्दों में से जी उठा है/ साथ ही क्लेमेन्ट ऑफ एलेक्झेड्रिया हैं, ये पतरस के चेले थे, जो पुनरुत्थान का आँखों देखा गवाह है/ और क्लेमेन्ट कहते हैं, यीशु मुर्दों में से जी उठा, याने हमारे पास शाश्वती है, प्राचिन चर्च के पुर्वज द्वारा, तो इसी पर विश्वास करते थे/ और मैं आप से कह रहा हुँ जॉन कि चेलों ने इस पर विश्वास किया, इस सवाल पर बहस नही हो सकती है/ क्योंकि दोष निकालनेवाले भी इसे मानते हैं/ दोष निकालनेवाले, जैसे ग्रड लूटरमन, मैंने इनके बारे में पहले कहा था/ नास्तिक, नए नियम के विद्वान, वेन्डर बिल्ट युनिवर्सीटी से/ ये बताएंगे कि ये इतिहास बुनियाद का भाग है/ ये सच है/ ऐतिहासिक रुप में बातें करे तो, वो इस पर विश्वास करते थे, अब, वो इस के आस पास से ही बताने की कोशिश करते हैं, मैं नही सोचता कि उनका विवरण बहूत अच्छा है/

हम इसे देखेगे, खैर अब हम ब्रेक लेते हैं, और दूसरे भी फैक्टस बताएगे, तो हमारे साथ बने रहे, हम चर्चा कर रहे हैं, अब ब्रेक लेगे और जल्द लौट आएगे/

द जॉन एन्करबर्ग शो

पी ओ बॉक्स 8977

Chattanooga, TN 37414

जे ए शो डॉट ऑर्ग

001-423-892-7722

Copyright 2015 ATRI